

निःकुट.—One Cod. of C, D निःपाव.—C, A, S नीलविद्रं.—A कोणाख्यं, the others but one Cod. of C कोलाख्यं.—34. After this A, S insert: शिरो मूलं च दृक्षाणामग्रपादाः प्रकीर्तिताः । असनारिणदण्डेषु यतो मूलं ततः शिरः ॥.—35. B, D and one Cod. of C कोलक.—All but C बंधुकम्.—36. A, one Cod. of C, N निःकुट.—All but one Cod. C शुकरके.—D कोलाख्ये.—37. D कोलक.—C, A काल, S, N कालं.—All but C बंधुक.—A, S om. न.—D, N सर्वग्रन्थ.—The title of this Ch. in A, S, N is शय्यालक्षणं.—The number in C is 75, in A, S 78, in B, D 79, in N om.

CHAPTER LXXX.

In A, S this Ch. is preceded by दीपलक्षणं (with us Ch. 84), and दनकाष्ठलक्षणं (with us Ch. 85).—3. One Cod. of C दधोचिन्ता, N दधोचिन्ता.—4. S रुचिराख्याः—S वैदूर्य.—A, S विपुलक.—A विषमक for विमलक, S om.—5. A, S मुक्ताफलप्र०.—6. A, S वेष्ठास्तटे, one Cod. of C वेष्ठास्तटे; the r. of A, S would be correct if they had वेष्ठातटे.—All but C, N काश्लकं, C कोसलकं.—A, S सौराष्ट्रिकं.—D सोप्यारके, one Cod. of C सौर्यारके, another शुप्यारके.—7. D, and one Cod. of C मातंगं.—D वध्रपुष्प.—D कालिंगं.—8. A, S षडसं.—A, S सर्वरूपसंस्थानं, N only संस्थानं.—10. All but one Cod. C write श्रोतः—D आकरसंनिभ.—11. D शिनिभं, A चासितनिभं, S वासिनिभं; a plainer r. would be ससितभं.—13. D पंचांशस्तेति, N like D, but च for चेति, A, S षोडशांशश्च.—A, S भागस्तु.—15. A, S युक्तं, N युक्तं स.—C शर्करं.—All दग्धं, changed by me into दिग्धं.—One Cod. of C खस्तु for वस्तु.—A, S शुभदानि.—17. B, D च किंचिद्, and also C in his text, but in the comment न.—N श्रोणीनिभं हितकरं.—18. C, B, D भयविष.—B, D अधि for अरि.—C, B, D शुभमुपभोग, but he mentions also the r. शुभमुखभोग, which has been corrupted in A, S to शुभगुरुभोग, in N to शुभसुरभोग.—The title of this Ch. in C is वज्रमणिलक्षणं, in N वज्रलक्षणं.—The number in C is 76, in B, D 80, in A, S, N om.

CHAPTER LXXXI.

1. All but one Cod. of C शुकर.—All but one Cod. of C सौराष्ट्रिक.—2. D, N पारसवाः—S पांडवाटक —A, S हैमक.—N आगरा.—All but A, S तु for हि.—3. S वज्रशः स्थानस्त्रि०.—A स्थान for स्थानाः.—4. N पारलोकिक.—5. A, S om. अति before महा.—D पारसवाः, N पारशसवाः—C seems to r. बृहद्दुदिसंस्थानम्.—6. A, S त्रिपट, the syllable before त्रि is reckoned short.—7. D शशांकरशिनिभं.—8. B, and one Cod. C गुडिका, another Cod. of C गुडका, A, S कलिका.—S प्रभं च.—D अग्निदैवत्यं.—9. N दत्त for